साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**

वर्ष : 1 | अंक : 51 | गोंदिया : गुरुवार, 29 जुलाई से 4 अगस्त 2021 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

बाढ़ पर नियंत्रण पाने अंतरराज्यीय समिति की सभा संपन्न

● आपदा के समय प्रशासन व नागरिकों को आपस में हो समन्वय - जिलाधिकारी नयना गुंडे

गोंदिया - राज्य में गत कुछ दिनों से हो रही बारिश के चलते बाढ़ की स्थिति निर्माण हो गई है। मानसुन के दौरान बाढ़ का सामना करने के लिए अंतरराज्यीय बाढ़ नियंत्रण समिति की सभा आयोजित की गई। इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा बाढ़ की स्थिति पर नियंत्रण पाने के लिए आपदा प्रबंधन प्रणाली का निरीक्षण कर आव्हान किया कि बाढ़ जैसी आपदा का सामना करने के लिए प्रशासन व नागरिकों में समन्वय होना आवश्यक है।

गौरतलब है कि मानसून के दौरान महाराष्ट्र के अनेक जिलों में जोरदार बारिश होने के चलते बाढ़ की स्थिति निर्माण हो गई है। इसे देखते हुए जिले में बाढ़ की स्थिति सामने आने पर इस पर नियंत्रण पाने के लिए जिला आपदा प्रबंधन प्रणाली को पूर्ण रुप से तैयार किया गया है। जिसमें शोध व बचाव दल तथा सामग्रियों का निरीक्षण जिलाधिकारी नयना गुंडे द्वारा किया गया।

उल्लेखनीय है कि गोंदिया जिले के ९६ गांवों पर बाढ़ का संकट बना रहता है तथा गत कुछ दिनों से जिले में हो रही बारिश को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सजग है। जिसके लिए जिला अधिकारी नयना गुंडे द्वारा आपदा प्रबंधन प्रणाली का निरीक्षण कर फाइबर बोट, लाइफ जैकेट, इमरजेंसी लाइट, ओबीएम मशीन, अनुपयोगी वस्तु से तैयार किए गए डिवाइस, सर्च लाइट आदि सामग्रियों का निरीक्षण किया तथा जिला आपदा व्यवस्थापन प्राधिकरण के शोध व बचाव पथक द्वारा बाढ़ की स्थिति के दौरान किए जाने वाले काम जिसमे नागरिकों को बाढ़ की स्थिति से सुरक्षित निकाला जाना, जिला नियंत्रण कक्ष का संचालन, मानक कार्यपद्धती एसओपी के द्वारा संबंधित सभी विभागों का आपसी समन्वय आदि जानकारी जिलाधिकारी द्वारा लेकर व्यवस्थापन प्राधिकरण की सराहना की।

गोंदिया जिले में वर्ष २०२० के दौरान अगस्त महीने में गोंदिया व तिरोड़ा तहसील में बाढ़ की स्थिति निर्माण हुई थी। जिसमें जनहानि, वित्तीय हानि तथा किसानों की फसल, मकान, तबेले तथा मवेशियों का भारी नुकसान हुआ था। वैनगंगा व बाघ नदी के किनारों पर स्थित मकानों तथा निचले क्षेत्र के मकानों में बाढ़ का पानी प्रवेश किए जाने से नुकसान हुआ था तथा प्रशासन द्वारा तत्काल सहायता उपलब्ध करा कर व्यवस्था किस प्रकार की गई, इसकी विस्तृत जानकारी जिलाधिकारी द्वारा ली गई। साथ ही इस वर्ष उपरोक्त घटना की पुनरावृत्ति ना हो इसके लिए बाढ़ग्रस्त गांव की जानकारी तथा पूर्व तैयारी कर शोध व बचाव के कार्य के लिए प्रशासन द्वारा किए जाने वाले उपाय योजना की जानकारी प्राप्त की।

अंतरराज्यीय बाढ़ नियंत्रण समिति की सभा

राज्य में चल रही बाढ़ की स्थिति को देखते हुए विभागीय आयुक्त नागपुर व जबलपुर की अध्यक्षता में मध्यप्रदेश राज्य के जिला सिवनी, छिंदवाड़ा, बालाघाट तथा महाराष्ट्र के गोंदिया, भंडारा, गडचिरोली, चंद्रपुर व नागपुर जिले के अधिकारियों की सभा आयोजित की गई। सभा में मध्यप्रदेश के संजय सरोवर से वैनगंगा नदी के माध्यम से छोड़े जाने वाले पानी का परिचालन करने के संदर्भ में तथा बांधों का पानी छोड़ने के पूर्व सूचना व सभी संबंधित जिलों का आपस में समन्वय करने के लिए महत्वपूर्ण चर्चा की गई। इस दौरान महाराष्ट्र-मध्यप्रदेश राज्य के संबंधित जिलों के जिलाधिकारी द्वारा जिले के बांध व नदियों की वर्तमान स्थिति व बाढ़ के दौरान संबंधित यंत्रणा को तैयार रखने के संदर्भ में जानकारी दी।

प्रशासन व नागरिकों में हो समन्वय

आपदा के दौरान नागरिकों की मदद के लिए जिला प्रशासन सदैव तैयार हैं। प्रशासन व नागरिक समाज के दो घटक हैं। ऐसी स्थिति में आपदा के दौरान जिला प्रशासन व नागरिकों का आपस में तालमेल व समन्वय बनाकर बाढ़ की स्थिति पर मात किया जा सकता है। जिसके लिए सभी को साथ में आने आव्हान जिलाधिकारी नयना गुंडे द्वारा किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी के साथ अपर जिलाधिकारी राजेश खवले, निवासी उपजिलाधिकारी जयराम देशपांडे, आपदा प्रबंधन अधिकारी राजन चौबे, शोध प्रमुख किशोर टेंभूरने तथा दल के सभी सदस्य उपस्थित थे।

महिला से ऑनलाइन फ्रॉड सिमकार्ड वेरिफिकेशन के नाम पर बैंक खाते से उड़ाए ५० हजार

गोंदिया – जब से मोबाइल क्रांति व इंटरनेट का जमाना आया है, तब से ऑनलाइन ठगी के मामले दिन-ब-दिन बढ़ते दिखायी दे रहे हैं। हाल ही में एक महिला को बीएसएनएल कंपनी का कर्मचारी बताकर व गोपनीय जानकारी प्राप्त कर उस महिला के बैंक खाते से ५० हजार रुपये उड़ाने का मामला सामने आया है। ये वारदात गोंदिया शहर थाना क्षेत्र अंतर्गत २४ जुलाई को दोपहर ३.१५ पर घटित हुई। फर्यादि महिला द्वारा शहर थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट अनुसार महिला नाम श्रीमती भगत, निवासी शास्त्री वार्ड, गोंदिया वारदात के समय अपने ऑफिस में थी। तभी एक व्यक्ति का उन्हें मोबाइल पर कॉल आया। उस व्यक्ति ने खुद को बीएसएनएल का कर्मचारी बताकर अपना नाम अविनाश शर्मा बताया। उस व्यक्ति ने महिला से कहा कि वो सिम वेरिफिकेशन करना चाहते हैं। वेरिफिकेशन हेतु मोबाईल फोन पर गूगल प्लेस्टोर से Quick Support नामक एप्लिकेशन डाऊनलोड करना होगा। इसी दौरान उसने महिला से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम कार्ड की गोपनीय जानकारी लेकर तथा इंटरनेट का उपयोग कर फिर्यादि के बैंक खाते से ५० हजार रुपये निकालकर महिला के साथ धोखाधड़ी की। इस मामले पर महिला की शिकायत पर शहर थाने में धारा ४१९, ४२० भादवि, ६६(सी)(डी) सूचना तकनीकी सुधारित अधिनियम २००८ के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच पुलिस निरीक्षक बंसोड़े कर रहे है।

जनजाति चेतना समिति को जनसेवा हेतू मिली अत्याधुनिक एम्बुलेंस

गोंदिया – जनजाति चेतना समिति गोंदिया को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के सौजन्य से पेटीएम फाउंडेशन की ओर से सभी अतिआवश्यक सुविधा युक्त एम्बुलेंस एमजी हैक्टर कार उपलब्ध करा दी गयी है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रेरणा से चलने वाली जनजाति चेतना समिति यह गोंदिया जिले के दुर्गम अंचल मे शिक्षा, आरोग्य एवं रोजगार हेतू सेवा कार्य करती है। जनजाति छात्रों के लिए निवास हेतू छात्रावास, जनजाति क्षेत्र में आरोग्य रक्षक योजना अंतर्गत दवाइयां वितरण, दूरस्थ ग्रामों में जनजाति बच्चों के लिए एकल विद्यालय इस तरह के विविध सेवा प्रकल्प समिति द्वारा चलाये जाते है। प्रतिवर्ष कच्चारगढ़ मे सम्पन्न होने वाली जनजाति यात्रा में विगत कई वर्षों से समिति द्वारा यात्रियों के सुविधा के लिए निशुल्क भोजन, निशुल्क निवास एवं आरोग्य सेवा मुहैया कराई जा रही है।

२४ जुलाई को सालेकसा के बिरसा मुंडा छात्रावास में आयोजित एक समारोह में अत्याधुनिक एम्बुलेंस का लोकार्पण गोंदिया जिले हेतू किया गया। इस समारोह में प्रमुख रुप से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विदर्भ प्रान्त कार्यवाह दिपक तामशेट्टीवार, जिला संघचालक लीलाराम बोपचे, क्षेत्रीय बौद्धिक प्रमुख अनिल जोशी, जनजाति चेतना समिति के अध्यक्ष नाजुक कुम्भरे, संघ के विभाग कार्यवाह उमेश मेंढे, पूर्व विधायक संजय पुराम, आदिवासी सेवक शंकर मड़ावी, समाजसेवी दिनेश शर्मा, पूर्व जिप सभापति श्रीमती सविता पुराम तथा आदिवासी समाज से अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

समारोह का संचालन समिति के उपाध्यक्ष लोकनाथ तितराम ने किया तथा प्रस्ताविक समिति के सचिव संजय भावे ने किया। लोकार्पण समारोह को सफल बनाने हेतू प्रवीण पटले, अशोक शेंडे, बद्री दसरिया, योगेश रहांगडाले, आदित्य शर्मा, सुकलाल मच्छीरके, विकेश उके, मनीष शर्मा तथा अन्य कार्यकर्ताओं ने सहयोग किया।

देवरी एमआईडीसी लोहा कंपनी ने मनसे की चेतावनी बाद

२१ कामगारों को फिर से लिया काम पर

गोंदिया जिले की देवरी तहसील के अंतर्गत आने वाले एमआईडीसी में स्थित लोहा कंपनी में कार्य करने वाले २१ कामगारों को कंपनी द्वारा बिना किसी पूर्व सूचना के कार्य से निकाल दिया था। जिससे उन पर आर्थिक संकट निर्माण होने के साथ ही परिवार के पालन-पोषण की समस्या निर्माण हो गई थी। इसकी जानकारी देवरी तहसील मनसे को मिलते ही कंपनी के संचालक मंडल को आंदोलन की चेतावनी दी गयी। जिस पर कंपनी द्वारा फिर से २१ कामगारों को काम पर वापस ले लिया गया है। साथ ही स्थानीय कामगारों को वेतन कम दिए जाने पर भी मनसे द्वारा इस संदर्भ में वेतन बढ़ाने की मांग की। जिस पर संचालक मंडल द्वारा वेतन बढ़ाने का आश्वासन दिया गया। उक्त प्रकरण में मनसे के तहसील अध्यक्ष शैलेश राजनकर, शहर अध्यक्ष शैलेश चित्रव, शाखा अध्यक्ष शुभम गुप्ता द्वारा कंपनी में जाकर संचालकों से मुलाकात कर आंदोलन की चेतावनी दी गयी थी।

एक माह से लापता महिला का शव पांगोली नदी में मिला

गोंदिया – जिले में बारिश के शुरु होने पर जिला आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा पांगोली नदी में शोध व बचाव का निरीक्षण किया जा रहा था। इसी दौरान एक माह घर से लापता महिला छाया सुधाकर ठाकरे (३५ से ४०) का शव दिखाई देने पर दल द्वारा नदी से निकालकर इसकी सूचना शहर पुलिस विभाग को दी गई।

गौरतलब है कि गोंदिया जिले में २६ जुलाई से हो रही बारिश के चलते जिला आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बाढ़ की स्थिति पर नियंत्रण रखने के लिए पांगोली नदी में शोध व बचाव पथक तथा गोंदिया नगर परिषद अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों के दल द्वारा निरीक्षण किया जा रहा था। इसी दौरान चुलोद भिमघाट मार्ग पर पांगोली नदी में तैरती हुई एक अज्ञात महिला का शव दिखाई दिया। जिसे पथक द्वारा बाहर निकाल कर इसकी सूचना शहर पुलिस थाने को दी गई। जिसके पश्चात महिला की पहचान शुरु की गई। जिस पर जानकारी प्राप्त हुई कि उक्त महिला गोंदिया पब्लिक स्कूल समीप निवासी छाया सुधाकर ठाकरे

गत एक माह से मानसिक स्थिति ठीक ना होने के चलते घर से लापता थी। उपरोक्त मामले में शहर पुलिस थाने में आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरु की गई।

शेर के हमले में मृत मेश्राम के परिवार को वन विभाग द्वारा १ लाख रुपये की मदद

गोंदिया – गोरेगांव तहसील के अंतर्गत आने वाले पिंडकेपार जंगल परिसर में २१ जुलाई को भंडगा निवासी पूणाजी मेश्राम की शेर के हमले में मौत हो गई थी। जिस पर मृतक के परिवार को आर्थिक मदद देने की मांग पूर्व जिप सभापति विश्वजीत डोंगरे द्वारा वन विभाग से की थी। जिस पर उनके प्रयासों को सफलता मिली तथा वन विभाग द्वारा मृतक की पत्नी को १ लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की।

गौरतलब है कि शेर के हमले में मृत पुणाजी मेश्राम के परिवार में अब सिर्फ उसकी पत्नी ही है। परिवार में कमाई करने वाले व्यक्ति की मौत होने पर उस पर आर्थिक संकट निर्माण हो गया था। जिसके चलते वन विभाग से आर्थिक मदद देने की मांग घोटी जिला परिषद क्षेत्र के पूर्व सभापति विश्वजीत डोंगरे ने दस्तावेजों की पुर्ती की थी। जिस पर उनके प्रयासों को सफलता मिली। वन विभाग के माध्यम से मृतक की पत्नी को १ लाख रुपये की मदद का धनादेश विश्वजीत डोंगरे के हस्ते मृतक की पत्नी गोमनबाई मेश्राम को दिया गया। इस अवसर पर गोरेगांव वन क्षेत्राधिकारी प्रवीण साठवने, विक्की लांजेवार, सरपंच शारदा उके, उपसरपंच उमाकांत मोटघरे, ग्रा.पं. सदस्य खुटमोडे, नरेन्द्र पटले, हेमंत मस्करे, संपता मंडिये आदी उपस्थित थे।

रिलायंस जिओ के खंबे बन रहे दुर्घटना का कारण - शकील मंसूरी

गोंदिया शहर में रिलायंस जिओ मोबाइल कंपनी के खंभे दुर्घटना का कारण बन रहे हैं। जिस पर कार्रवाई करने की मांग का पत्र पार्षद शकील मंसूरी द्वारा जिलाधिकारी को दिया गया। गौरतलब है कि गोंदिया शहर के मार्गों के किनारे रिलायंस जिओ मोबाइल कंपनी के खंभे लगाए गए हैं। जो नियमानुसार ना लगाकर मनमानी तरीके से लगाए गए हैं। साथ ही कुछ खंभे विद्युत ट्रांसफार्मर के सामने लगाए गए हैं। जिससे कभी भी गंभीर दुर्घटना घटित हो सकती है। जिससे जान माल की हानि होने की संभावना बनी रहती है। साथ ही इन खंभों के चलते आवागमन भी बाधित होने के साथ ही नागरिकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस संदर्भ में पार्षद शकील मंसूरी द्वारा जिलाधिकारी नयना गुंडे को पत्र देकर मांग की गयी है कि संबंधित कंपनी द्वारा खंभों के स्थान पर केबल लाइन को अंडरग्राउंड करने का आदेश दिया जाए। साथ ही बेतरतीब तरीके से लगाए गए खंभों के संदर्भ में संबंधित कंपनी पर कार्यवाही की जाए।

आवश्यकता है

गौशाला में गौ-सेवा के कार्य करने हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। रहने व खाने की व्यवस्था के साथ ही योग्यतानुसार वेतन दिया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें...

बुलंद गोंदिया कार्यालय
जगन्नाथ मंदिर के पास, गौशाला वार्ड, गोंदिया
मो. : 9405244668, 7670079009
समय : दोपहर 12 से संध्या 5 बजे तक

संपादकिय

काफी नहीं ऑनलाइन क्लास

कोरोना महामारी और लॉकडाउन के बावजूद स्कूल-कॉलेजों में पढ़ाई का काम ठप न हो जाए, इसके लिए ऑनलाइन क्लासों का सहारा लिया गया। लेकिन हाल में हुए एक सर्वे ने बताया है कि ऑनलाइन टीचिंग के जरिए कोर्स पूरा करने की रस्मअदायगी भले कर दी गई हो, वास्तव में स्टूडेंट्स तक वह ज्ञान पहुंच नहीं पाया, जो अकादमिक सत्र के दौरान उन तक पहुंचाया जाना था। एजुकेशन टेक्नलॉजी सॉल्यूशन प्रोवाइडर टीम लीज एडटेक के इस सर्वे में ७५ विश्वविद्यालयों के ७०० से अधिक छात्रों और ऑफिसरों को शामिल किया गया था। सर्वे में ८५ फीसदी स्टूडेंट्स ने माना कि जो कुछ उन्हें सीखना था, ऑनलाइन पढ़ाई के जरिए वे बमुश्किल उसका आधा ही सीख पाए। यह बात और है कि क्लास के दौरान और परीक्षा से भी इसका पता नहीं चला। स्टूडेंट्स को नंबर अच्छे आए क्योंकि ऑनलाइन परीक्षा में किताबों और नोटबुकों की मदद लेना आसान था। शिक्षकों के मुताबिक इन स्टूडेंट्स से बातचीत या सवाल-जवाब करने पर स्पष्ट हो जाता है कि उनकी समझ का स्तर वह नहीं है, जो होना चाहिए था। विश्वविद्यालयों के ८८ फीसदी अधिकारियों ने यह भी कहा कि इस लर्निंग गैप की भरपाई करने में तीन साल से अधिक का वक्त लग सकता है।

वैसे यह समस्या सिर्फ अपने देश तक सीमित नहीं है। चूंकि महामारी और लॉकडाउन के चलते दुनिया भर में पढ़ाई को ऑनलाइन मोड में शिफ्ट करना पड़ा, इसलिए स्वाभाविक ही लर्निंग का यह गैप भी हर जगह देखा जा रहा है। यह जरुर है कि विकसित देशों के मुकाबले भारत में यह ज्यादा है। जहां फ्रांस में यह गैप ९.८४ फीसदी, अमेरिका में १३.८ फीसदी, जर्मनी में २५ फीसदी और ब्रिटेन में २१-३० फीसदी होने का अनुमान व्यक्त किया गया है, वहीं भारत में इसे ४०-६० फीसदी बताया जा रहा है। अपने देश में इंटरनेट तक पहुंच रखने वाले परिवारों की सीमित संख्या, किसी भी बदलाव को अपनाने के मामले में सरकारी संस्थानों की मंथर गति और अन्य देशों के मुकाबले लॉकडाउन की ज्यादा लंबी अवधि जैसे कारकों को ध्यान में रखें तो लर्निंग गैप का ज्यादा होना चौंकाता नहीं है। हालांकि इसका मतलब यह नहीं है कि इसके संभावित नुकसानों से हमें किसी तरह की छूट मिल जाएगी। आधी-अधूरी समझ के साथ पास हुए इन स्टूडेंट्स के लिए अगली क्लास का सिलेबस समझना और मुश्किल होगा। यही नहीं, इसी समझ के साथ जब ये जॉब मार्केट में जाएंगे तो हो सकता है पूरे बैच की एक जैसी स्थिति के चलते कॉम्पिटिशन का लेवल ही नीचे आ जाए और इन्हें जॉब भी मिल जाए, लेकिन बाद में उस जॉब से जुड़ी चुनौतियों से निपटना इनके लिए मुश्किल होगा। ऐसे में लर्निंग गैप को भरने का तरीका यही है कि उच्च शिक्षा के महामारी से पहले वाले तौर-तरीके जल्द अपनाए जाएं। जितना संभव हो, पढ़ाई क्लासरुम में हो। इसका रास्ता तेजी से वैक्सिनेशन करके निकाला जा सकता है। हमें याद रखना होगा कि इस मामले में किसी भी तरह की कोताही का देश के भविष्य पर बुरा असर पड़ेगा।

अन्य पिछड़ा वर्ग वित्त व विकास महामंडल की योजनाओं का लाभ लेने का आव्हान

गोंदिया – राज्य सरकार द्वारा ओबीसी प्रवर्ग के बेरोजगार युवक-युवतियों तथा व्यवसाय करने के लिए इच्छुक नागरिकों के लिए महाराष्ट्र राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग महामंडल के माध्यम से विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही है।

जिसमें २० प्रतिशत भांडवल योजना यह योजना राष्ट्रीयकृत बैंक, जिला अग्रणी बैंक व जिला मध्यवर्ती बैंक के माध्यम से चलाई जाती है। इसमें महामंडल का २० प्रतिशत लाभार्थी का ५ प्रतिशत व बैंक का सहयोग ७५ प्रतिशत होता है। इस योजना की प्रकल्प मर्यादा ५ लाख रुपये तथा ब्याज दर ६ प्रतिशत तथा कर्ज वापसी की समय अवधि ५ वर्ष है। इस योजना के लिए आवेदनकर्ता की उम्र १८ से ५० वर्ष होना चाहिए तथा परिवार की वार्षिक उत्पन्न १ लाख तक होनी चाहिए।

१ लाख तक कर्ज योजना : इस योजना में लाभार्थी का सहभाग ० तथा अर्जदार की उम्र १८ से ५५ वर्ष होने के साथ ही आवेदनकर्ता का सिबिल क्रेडिट स्कोर ५०० के पास तो इतना होना चाहिए तथा आवेदनकर्ता की पारिवारिक वार्षिक उत्पन्न ग्रामीण व शहरी भाग के लिए १ लाख रुपए होने के साथ ही ४८ मासिक किस्तों में मुद्दल २०८५ रुपए वापस करना होगा। लाभार्थी को ब्याज नहीं होना होगा देना होगा किंतु बकायादार होने पर ४ प्रतिशत ब्याज लगाया जाएगा।

व्यक्तिगत कर्ज १० लाख रुपए तक

इस योजना के अंतर्गत आवेदनकर्ता की उम्र १८ से ५० वर्ष होनी चाहिए। जिसमें महाराष्ट्र राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग के जरुरतमंद व कुशल व्यक्ति को कृषि संलग्न व पारंपरिक उपक्रम, लघु उद्योग एवं मध्यम उद्योग, उत्पादन, व्यापार व बिक्री सेवा इत्यादि व्यवसाय के लिए कर्ज सहित ब्याज वापस किए जाने की योजना उपलब्ध है। इसमें महामंडल के वेबसाइट पर पंजीयन करवाना अनिवार्य है। इस प्रकार की जानकारी अन्य पिछड़ा वर्ग वित्त व विकास महामंडल के व्यवस्थापक द्वारा दी गई है।

दिव्यांगों के लिए सलाह व मार्गदर्शन कक्ष की स्थापना

गोंदिया - समाज कल्याण विभाग के माध्यम से पंचायत समिति स्तर पर दिव्यांगों के लिए सलाह व मार्गदर्शन कक्ष की स्थापना की गई है। जिसमें कार्यालयीन समय प्रत्येक सोमवार को एक कर्मचारी की नियुक्ति की गई है। तहसील स्तर पर दिव्यांगों को जिला स्तर पर आने वाली परेशानियों को देखते हुए आयुक्त दिव्यांग कल्याण आयुक्तालय पुणे के निर्देशानुसार उपरोक्त कक्ष की स्थापना की गई है। जिससे दिव्यांग व्यक्ति तहसील स्तर पर संबंधित पंचायत समिति में सोमवार के दिन जाकर दिव्यांगों के लिए चलाई जाने वाली विभिन्न योजना, योजनाओं के आवेदन के संदर्भ में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, साथ ही दिव्यांगों के ऑनलाइन तैयार किए गए दिव्यांग प्रमाणपत्र यूडीआईडी कार्ड कार्यालय से प्राप्त हो सकेंगे। दिव्यांग लाभार्थी अपने आईडी कार्ड तैयार होने के संबंध में पंचायत समिति स्तर पर स्थापित किए गए सलाह व मार्गदर्शन कक्ष में प्रत्येक सोमवार को प्राप्त कर सकते हैं। दिव्यांग लाभार्थियों द्वारा उनके लिए चलाए जाने वाली योजना, योजना के आवेदन, यूडीआईडी कार्ड पंचायत समिति स्तर पर प्राप्त करने का आव्हान जिला समाज कल्याण अधिकारी तुकाराम बरगे द्वारा किया गया है।

साप्ताहिक राशिफल

मेष : यदि कार्यक्षेत्र में अलग-थलग नहीं पड़ना चाहते हैं तो आपको अपने काम की गति बढ़ानी होगी। प्रोफेशनल प्रतिद्वंद्वी आपके काम में दखलअंदाजी कर सकते है। अच्छी आमदनी से फिजूलखर्ची बढेगी। सामाजिक क्षेत्र के केंद्र में आना किसी को नापसंद हो सकता है।

वृषभ : किसी निवेश में पैसा लगाने से अच्छा मुनाफा मिलने के संकेत हैं। परिवार के बुजुर्ग को अपने पक्ष में लाने में सफल रहेंगे। निजी और प्रोफेशनल दोनों ही स्तरों पर स्थिति आपके अनुकूल रहगी। किसी की सलाह से आपको आर्थिक क्षेत्र में फायदा होने की उम्मीद है।

मिथुन : सामाजिक क्षेत्र में आपकी शोहरत बढ़ने की संभावना है। पढ़ाई के क्षेत्र में मनपसंद विषय चुनने में सफल रहेंगे। खास प्रॉपर्टी खरीदने के इच्छुक लोगों का सपना पूरा होने वाला है। किसी से हाल ही में हुई मुलाकात प्यार में बदल जाने के संकेत हैं।

कर्क : दयालु स्वभाव और अच्छे व्यवहार की वजह से आपकी तारीफ होने वाली है। लंबी यात्रा पर जाने वालों का सफर शानदार रहेगा। पढ़ाई के क्षेत्र में अपेक्षा से भी बड़ी सफलता मिलने की उम्मीद है। आमदनी का जरिया बढ़ने से आर्थिक स्तर में सुधार हो सकता है।

सिंह : किसी बड़े ऑर्गेनाइजेशन में जॉब मिलने की उम्मीद है। प्रेमी से दिल की बात रखने के लिए अनुकूल समय है। दोस्तों के साथ वेकेशन प्लान करने का के लिए अनुकूल समय है, आगे बढ़ें। पढ़ाई के क्षेत्र में आने वाली सभी प्रतियोगिता में अच्छा कर सकते हैं।

कन्या : पढ़ाई में कोई आपकी मदद करने का लिए तैयार है। परिवार के किसी शादीयोग्य सदस्य के लिए जोड़ीदार की तलाश सफल होगी। कार्यक्षेत्र में अपने काम की प्राथमिकता तय करनी होगी। शानदार कमाई के अवसर से आर्थिक स्तर में सुधार आएगा।

तुला : कोई नया स्किल सीखना प्रोफेशनल क्षेत्र में आपकी महत्ता बढ़ा सकता है। अच्छी जगह निवेश करने के कारण आप वित्तीय स्तर पर सुरक्षित महसूस करेंगे। किसी ऐसे इंसान को जिसे आप पहले नापसंद करते थे, अब उसकी तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ा सकते हैं।

वृश्चिक : लव लाइफ में मधुरता बनी रहेगी। नया वाहन खरीदने की संभावना है। आप में से कुछ लोगों के विदेश जाने की संभावना है। किसी की मीठी बातों में फंसने से बचें। आपको किसी संदेहास्पद स्कीम में फंसाए जाने की आशंका है।

धनु : प्रेम संबंध को लेकर गंभीर होंगे। पैसे को लेकर कोई दिक्कत नहीं रहेगी। दोस्तों के साथ ट्रिप पर जाने की संभावना है। प्रोफेशनल क्षेत्र में स्थिति आपके अनुकूल रहेगी, कुछ बेहतर करने की उम्मीद है। संस्था या कंपनी को रिप्रेजेंट करने का मौका मिल सकता है।

मकर : किसी सामाजिक समारोह में जमकर मस्ती करने का अवसर मिलेगा। आर्थिक स्तर पर आप पहले से मजबूत स्थिति में रहेंगे। कार्यक्षेत्र में नया सीख रहे हैं, उन्हें फायदा मिलने वाला है। अच्छा काम करने का परिणाम एक अच्छे प्रोजेक्ट के रुप में मिलने की उम्मीद है।

कुंभ : फिजूलखर्ची पर रोक लगायें। जंक फूड के प्रति आपका लगाव सेहत पर भारी पड़ सकता है। जो इंसान जबरदस्ती आपका बॉस बनने का प्रयास कर रहा है, उसे उसकी सही जगह दिखाने में सफल रहेंगे। बुजुर्ग की बातों पर ध्यान देने का फायदा मिल सकता है।

मीन : करियर के लिए फायदेमंद का बनाकर रखें। पूर्व के निवेश से आने वाले रिटर्न से आर्थिक स्थिति रहेगी। नई दोस्ती होने की संभावना है। आपको जॉब में नए लोगों को सही ढंग से ढलने के लिए किसी की मदद की जरुरत पड़ने वाली है।

आयकर दिवस

आयकर (इनकम टैक्स) वह कर है जो सरकार लोगों की आय पर आय में से लेती है। आयकर सरकारों के क्षेत्राधिकार के भीतर स्थित सभी संस्थाओं द्वारा उत्पन्न वित्तीय आय पर लागू होता है। कानून के अनुसार, प्रत्येक व्यवसाय और व्यक्ति कर देने या एक कर वापसी के लिए पात्र हैं, और उन्हें हर साल एक आयकर रिटर्न फाइल करना होता है। आयकर धन का एक महत्वपूर्ण स्रोत है, जिसे सरकार अपनी गतिविधियों निधि और जनता की सेवा करने के लिए उपयोग करता है।

आय का अर्थ

भारतीय आयकर अधिनियम १९६१ में आय को मुख्य रुप से पांच भागों या स्त्रोत के रुप में बांटा गया हैं। जिसकी गणना आयकर अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार की जाती हैं। यह इस प्रकार हैं -

१. वेतन के रुप में आय : इस स्त्रोत के तहत कर्मचारी को मिलने वाला वेतन, एन्युटी, पेंशन, ग्रेच्युटी, फीस, कमीशन, छुट्टी की जगह नकद भुगतान (लीव एन केशमेंट), सालाना वृद्धि, प्रोविडेंट फंड में जमा रकम और कर्मचारी के पेंशन खाते में किया गया योगदान शामिल हैं।

२. मकान किराये से आय : खुद के स्वामित्व वाले मकान के किराए से आमदनी को घरेलू संपत्ति से आय माना जाता है। एक से अधिक मकान होने की स्थिति में अगर मकान खाली है यानी उसमें कोई किराएदार नहीं है तो भी एक मकान को छोड़कर अन्य मकानों की अनुमानित आय आमदनी में जोड़ दी जाती है।

३. कारोबार या पेशे से आय : किसी कारोबार या पेशे से होने वाला लाभ, व्यापार के तहत प्राप्त किया ब्याज, साझेदारी के पार्टनर को मिला वेतन या बोनस आदि आते हैं।

४. पूंजीगत लाभ के रुप में आय : पूंजीगत लाभ के तहत कोई पूंजीगत संपत्ति की बिक्री से हुआ लाभ आता हैं। इसमें शॉर्ट टर्म और लॉन्ग टर्म दोनों तरह के पूंजीगत लाभ शामिल हैं।

५. अन्य स्रोत से आय : बैंक डिपॉजिट और सिक्योरिटीज पर मिला ब्याज, शेयरों पर मिले लाभांश, रॉयल्टी इनकम, लॉटरी या रेस जीतने और उपहार के रुप में मिली रकम को अन्य स्रोत से आय माना जाता है।

भारत

यह प्रत्येक व्यक्ति की आय पर भारत सरकार द्वारा लगाया जाने वाला एक कर है। आयकर कानून को शासित करने वाले उपबंध आयकर अधिनियम, १९६१ में दिए गए हैं। भारत में यह प्राय: एक खास सीमा से अधिक आय वालों द्वारा अदा किया जाता है। उदाहरण के लिये वित्तीय वर्ष २०१९-२० के भारत के बजट के प्रावधानों के अनुसार ५ लाख रुपये से अधिक आय वाले व्यक्ति आयकर दाताओं की श्रेणी में आएंगें। वरिष्ठ नागरिकों के लिए तीन लाख रुपए रखी गई है। कभी कभी एक खास रकम से ऊपर के आय वालों को अतिरिक्त कर भी देना होता है। मसलन वर्तमान पचास लाख रुपये सालाना से ज्यादा आय वालों को १०: प्रतिशत सरचार्ज अतिरिक्त कर देना होगा।

वित्तीय वर्ष २०१८-१९ के लिए व्यक्तिगत आयकर स्लैब
(६० वर्ष तक के व्यक्ति के लिए)

वार्षिक आय	आयकर	स्वास्थ्य एंव शिक्षा उपकर
२.५ लाख रुपये तक	शून्य	शून्य
२.५ से ५ लाख रुपये तक	५%	४%
५ से १० लाख रुपये तक	२०%	४%
१० लाख रुपये से ऊपर	३०%	४%
५० लाख से १ करोड़ रु.की आय पर सरचार्ज		१०%
१ करोड़ रुपये से ऊपर की आय पर सरचार्ज		१५%

संयुक्त अरब अमीरात : यहां व्यक्तिगत आय को अनुमानित नहीं किया जाता है। प्रवासी इम्पलॉई यूईए के सोशल इंश्योरेंस में कोई योगदान नहीं देते। यूईए के नागरिक मासिक सामाजिक सुरक्षा पेंशन में १२.५ फीसदी इम्प्लाई की बेसिक सैलरी और अलाउंस (निजी क्षेत्र के कर्मचारी) और १५ फीसदी हिस्सा सरकारी कर्मचारी के वेतन और अलाउंस से जमा किया जाता है। कर्मचारी को अपने कुल मासिक पारिश्रमिक का ५ फीसदी का योगदान देना होता है। यहां विदेशी बैंक और विदेशी तेल कंपनियों के केपिटल गेन इनकम पर साधारण बिजनेस टैक्स ही लगाया जाता है।

कतर : कतर के स्थानीय कर्मचारियों के लिए सामाजिक सुरक्षा ५ फीसदी की दर से लगता है और स्थानीय निवासियों के लिए १० फीसदी लगता है, लेकिन यहां पर किसी भी व्यक्ति या कर्मचारी पर आयकर, डिविडेंड, केपिटल गेन्स व धन या संपत्ति के ट्रांसफर पर कोई टैक्स नहीं है।

ओमान : ओमान एक तेल उत्पादक देश है। यहां पर भी किसी व्यक्ति की आय पर कोई टैक्स नहीं लगता है। यह देश भी टैक्स हेवेन देशों की श्रेणी में शामिल है।

कुवैत : यहां के टैक्स कानून के मुताबिक हर नागरिक को आयकर से मुक्ति मिली हुई है। हालांकि, सामाजिक सुरक्षा में योगदान देना न केवल सरकारी और निजी कर्मचारियों के लिए अनिवार्य है, बल्कि हर नागरिक को भी यह देना होता है।

केमैन आइलैंड : केमैन आइलैड में एक ऐसा देश है, जहां न तो किसी को पर्सनल इनकम टैक्स देना होता है और न ही सामाजिक सुरक्षा के लिए फंड में योगदान। हालांकि, यहां की नेशनल पेंशन लॉ के मुताबिक प्रत्येक नियोक्ता को अपने कर्मचारी के लिए एक पेंशन स्कीम चलानी होती है, जिसमें वे प्रवासी भी शामिल हैं, जो लगातार ९ माह से यहां काम कर रहे हैं।

बहरीन : बहरीन में कोई इनकम टैक्स नहीं देना होता है, हालांकि सोशल इंश्योरेंस और इम्प्लायमेंट टैक्स जरुर लगता है। बहरीन के नागरिकों को सोशल इंश्योरेंस टैक्स अपनी कुल आय का ७ फीसदी देना देना होता है। बहरीन में नियोक्ता को अपने कर्मचारियों के लिए सामाजिक सुरक्षा कर १२ फीसदी की दर से जमा करना होता है।

बरमूडा : इस छोटे-से देश में भी कोई पर्सनल इनकम टैक्स नहीं देना होता। नियोक्ता द्वारा एक पे-रोल टैक्स १४ फीसदी की दर से देना होता है। पे-रोल टैक्स का एक हिस्सा ५.२५ फीसदी की दर नियोक्ता की सहमति से सरकार कर्मचारी से वसूली कर सकती है।

बहमास : बहमास में भी कोई इनकम टैक्स नहीं है। यहां केपिटल गेन, उत्तराधिकार या गिट टैक्स भी नहीं देना होता। यहां रियल इस्टेट एक्जीविशन टैक्स (स्टांप ड्यूटी) और होल्डिंग टैक्स (रियल प्रापर्टी टैक्स) लागू है।

सऊदी अरब : सऊदी अरब में वेतन पर कोई टैक्स नहीं है। हालांकि, स्वयं का व्यवसाय करने वाले प्रवासियों पर २० फीसदी टैक्स लगता है। यहां पर किसी भी तरह का किसी व्यक्ति पर अन्य कोई टैक्स लागू नहीं है।

ब्रुनई दारुस्सलाम : ब्रुनई दारुस्सलाम में किसी भी तरह का व्यक्तिगत आयकर नहीं देना होता। यहां एक इम्प्लाई ट्रस्ट फंड और सप्लीमेंटल कंट्रीब्यूटरी पेंशन स्कीम है। यहां अन्य कोई इंडिविजुअल टैक्स नहीं है।

oooooooooooooooooooooooooooooooooo

कारगिल विजय दिवस

कारगिल विजय दिवस स्वतंत्र भारत के सभी देशवासियों के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण दिवस है। भारत में प्रत्येक वर्ष २६ जुलाई को यह दिवस मनाया जाता है। इस दिन भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच वर्ष १९९९ में कारगिल युद्ध हुआ था, जो लगभग ६० दिनों तक चला और २६ जुलाई के दिन उसका अंत हुआ और इसमें भारत विजय हुआ। कारगिल विजय दिवस युद्ध में शहीद हुए भारतीय जवानों के सम्मान हेतु यह दिवस मनाया जाता है।

१९७१ के भारत-पाक युद्ध के बाद भी कई दिन सैन्य संघर्ष होता रहा। इतिहास के मुताबित दोनों देशों द्वारा परमाणु परीक्षण के कारण तनाव और बढ़ गया था। स्थिति को शांत करने के लिए दोनों देशों ने फरवरी १९९९ में लाहौर में घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किए। जिसमें कश्मीर मुद्दे को द्विपक्षीय वार्ता द्वारा शांतिपूर्ण ढंग से हल करने का वादा किया गया था। लेकिन पाकिस्तान ने अपने सैनिकों और अर्ध-सैनिक बलों को छिपाकर नियंत्रण रेखा के पार भेजने लगा और इस घुसपैठ का नाम **ऑपरेशन बद्र** रखा था। इसका मुख्य उद्देश्य कश्मीर और लद्दाख के बीच की कड़ी को तोड़ना और भारतीय सेना को सियाचिन ग्लेशियर से हटाना था। पाकिस्तान यह भी मानता है कि इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार के तनाव से कश्मीर मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बनाने में मदद मिलेगी।

प्रारम्भ में इसे घुसपैठ मान लिया था और दावा किया गया कि इन्हें कुछ ही दिनों में बाहर कर दिया जाएगा। लेकिन नियंत्रण रेखा में खोज के बाद और इन घुसपैठियों के नियोजित रणनीति में अंतर का पता चलने के बाद भारतीय सेना को अहसास हो गया कि हमले की योजना बहुत बडद्धे पैमाने पर किया गया है। इसके बाद भारत सरकार ने ऑपरेशन विजय नाम से २,००,००० सैनिकों को भेजा। यह युद्ध आधिकारिक रुप से २६ जुलाई १९९९ को समाप्त हुआ। इस युद्ध के दौरान ५५० सैनिकों ने अपने जीवन का बलिदान दिया और १४०० के करीब घायल हुए थे।

oooooooooooooooooooooooooooooooooo

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस प्रत्येक वर्ष २८ जुलाई को मनाया जाता है। वर्तमान परिपेक्ष्य में कई प्रजाति के जीव जंतु एवं वनस्पति विलुप्त हो रहे हैं। विलुप्त होते जीव जंतु और वनस्पति की रक्षा का विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस पर संकल्प लेना ही इसका उद्देश्य है।

पृथ्वी सम्मेलन

प्रकृति संरक्षण का समस्त प्राणियों के जीवन तथा इस धरती के समस्त प्राकृतिक परिवेश से घनिष्ठ सम्बन्ध है। प्रदूषण के कारण सारी पृथ्वी दूषित हो रही है और निकट भविष्य में मानव सभ्यता का अंत दिखाई दे रहा है। इस स्थिति को ध्यान में रखकर सन १९९२ में ब्राजील में विश्व के १७४ देशों का **पृथ्वी सम्मेलन** आयोजित किया गया था। इसके पश्चात् सन २००२ में जोहान्सबर्ग में पृथ्वी सम्मेलन आयोजित कर विश्व के सभी देशों को पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान देने के लिए अनेक उपाय सुझाए गये। वस्तुत: प्रकृति के संरक्षण से ही धरती पर जीवन का संरक्षण हो सकता है, अन्यथा मंगल ग्रह आदि ग्रहों की तरह धरती का जीवन-चक्र भी एक दिन समाप्त हो जायेगा।

प्रकृति संरक्षण

जल, जंगल और जमीन, इन तीन तत्वों के बिना प्रकृति अधूरी है। विश्व में सबसे समृद्ध देश वही हुए हैं, जहां यह तीनों तत्व प्रचुर मात्रा में हों। भारत देश जंगल, वन्य जीवों के लिए प्रसिद्ध है। सम्पूर्ण विश्व में बड़े ही विचित्र तथा आकर्षक वन्य जीव पाए जाते हैं। हमारे देश में भी वन्य जीवों की विभिन्न और विचित्र प्रजातियां पाई जाती हैं। इन सभी वन्य जीवों के विषय में ज्ञान प्राप्त करना केवल कौतूहल की दृष्टि से ही आवश्यक नहीं है, वरन् यह काफी मनोरंजक भी है। भूमंडल पर सृष्टि की रचना केसे हुई, सृष्टि का विकास केसे हुआ और उस रचना में मनुष्य का क्या स्थान है? प्राचीन युग के अनेक भीमकाय जीवों का लोप क्यों हो गया और उस दृष्टि से क्या अनेक वर्तमान वन्य जीवों के लोप होने की कोई आशंका है? मानव समाज और वन्य जीवों का पारस्परिक संबंध क्या है? यदि वन्य जीव भूमंडल पर न रहें, तो पर्यावरण पर तथा मनुष्य के आर्थिक विकास पर क्या प्रभाव पड़ेगा? तेजी से बढ़ती हुई आबादी की प्रतिक्रिया वन्य जीवों पर क्या हो सकती है? आदि प्रश्न गहन चिंतन और अध्ययन के हैं। इसलिए भारत के वन व वन्य जीवों के बारे में थोड़ी जानकारी आवश्यक है, ताकि लोग भलीभांति समझ सकें कि वन्य जीवों का महत्व क्या है और वे पर्यावरण चक्र में किस प्रकार मनुष्य का साथ देते हैं।

पर्यावरण संरक्षण के प्रयास

- जंगलों को न काटे।
- जमीन में उपलब्ध पानी का उपयोग तब ही करें जब आपको जरुरत हो।
- कार्बन जैसी नशीली गैसों का उत्पादन बंद करे।
- उपयोग किए गए पानी का चक्रीकरण करें।
- जमीन के पानी को फिर से स्तर पर लाने के लिए वर्षा के पानी को सहेजने की व्यवस्था करें।
- ध्वनि प्रदूषण को सीमित करें।
- प्लास्टिक के लिफाफे छोड़ें और रद्दी कागज के लिफाफे या कपड़े के थैले इस्तेमाल करें।
- जिस कमरे मे कोई ना हो उस कमरे का पंखा और लाईट बंद कर दें।
- पानी को फालतू ना बहने दें।
- आज के इंटरनेट के युग में, हम अपने सारे बिलों का भुगतान आनलाईन करें तो इससे ना सिर्फ हमारा समय बचेगा बल्कि कागज के साथ साथ पैट्रोल डीजल भी बचेगा।
- ज्यादा पैदल चलें और अधिक साइकिल चलाएं।
- प्रकृति से धनात्मक संबंध रखने वाली तकनीकों का उपयोग करें। जैसे- जैविक खाद का प्रयोग।, डिब्बा-बंद पदार्थों का कम इस्तेमाल।, जलवायु को बेहतर बनाने की तकनीकों को बढ़ावा दें।, पहाड़ खत्म करने की साजिशों का विरोध करें। आदि।

२० लाख रुपये की लागत के कृषि गोदाम का भूमि पूजन

क्षेत्र के हर गांव में स्थापित होंगे कृषि गोदाम - विधायक अग्रवाल

गोंदिया - हर गांव में धान खरीद केंद्र नहीं हैं। किसानों को धान बेचने के लिए नजदीकी सरकारी आधारभूत धान खरीद केंद्र में जाना पड़ता है। धान बिक्री हेतु केंद्र पर किसानों को अपने नंबर आने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है। यदि उस दिन नंबर नहीं लगा, तो उसे अपना धान लेकर बैरंग घर लौटना पड़ता है। किसानों इसके लिए ५ से १० हजार रुपये भी खर्च करने पड़ते है। इस समस्या को देखते हुए अगर हर गांव में कृषि गोदाम होगा तो किसानों को इस समस्या से उन्हें राहत प्रदान हो सकती है। गांव में ही किसानों की फसल खरीदी हो, इसी प्रयास के तहत कृषि गोदामों को स्थापित किया जा रहा है। राज्य में ये पहला प्रयास है, जहां गोदाम स्थापित किये जा रहे है। उक्त आशय के उद्‌गार विधायक विनोद अग्रवाल ने व्यक्त किये। विधानसभा क्षेत्र के ग्राम तांडा में २० लाख रुपयो की लागत से निर्मित होने वाले कृषि गोदाम के भूमिपूजन कार्यक्रम में बोल रहे थे।

उन्होने आगे कहा, कृषि गोदाम आज बड़ी विकराल समस्या है। गोदाम के अभाव में धान खरीदी में विलंब हुआ। अनेक किसानों का धान बाहर पड़ा रहा। इस समस्या के समाधान हेतु कृषि गोदामों की मांग सरकार से की गई थी, जिसके तहत इन गोदामों का भूमिपूजन कर आने वाले संकट से निपटने का कार्य किया जाएगा। मेरा प्रयास है कि प्रत्येक ग्राम में कृषि गोदाम हो। अगर प्रत्येक ग्राम में कृषि गोदाम स्थापित होते हैं तो किसानों भाइयों को बड़े आर्थिक संकट से भी मुक्ति मिल जाएगी। साथ ही इससे किसानों का समय भी बचेगा और उन्हें अपना नंबर आने का इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

उन्होंने कहा, हमारा भारत कृषी प्रधान देश है। हमारे देश में ज्यादातर लोग ग्रामीण इलाकों में रहते हैं। कोरोना काल में पूरा देश रुका, लेकिन किसान नहीं रुके। कोरोना काल में भी किसानों द्वारा बंपर उत्पादन किया गया और देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लेकिन किसानों की परेशानी अभी खत्म नहीं हुई है। इस साल बिक्री में देरी इसलिए हुई क्योंकि किसानों के धान के गोदाम भरे हुए थे और धान का भंडारण नहीं हो रहा था। इसका खामियाजा किसान को भुगतना पड़ा।

विधायक विनोद अग्रवाल ने कहा कि वे हर गांव में धान भंडारण गोदाम स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस बीच, इस पंचवर्षीय योजना में अगले दो वर्षों में मेरी विधानसभा के ३० से ३५ गांवों के साथ-साथ हर गांव में कृषि गोदाम स्थापित किए जाएंगे ये विश्वास जताया।

कार्यक्रम में चाबी संगठन के अध्यक्ष भाऊराव उके, ग्रामीण अध्यक्ष छत्रपाल तुरकर, धनंजय तुरकर, महामंत्री सुजित येवले, रामराज खरे, छगन माने, परसराम हुमे, योगेंद्र हरिनखेड़े, युवा मोर्चा के विक्की बघेले, मुनेश रहांगडाले सरपंच ग्राम पंचायत तांडा, चेतसिंह परीहार उपसरपंच, एन. डी.अतकरे ग्रामसेवक, प्रमोद रहांगडाले ग्राम पंचायत सदस्य, मुलचंद बिसेन ग्राम पंचायत सदस्य, सौ.पुष्पा कटरे ग्राम पंचायत सदस्य, सौ.इंद्रायणी रहांगडाले , हसनसिंह सोमवंशी पो.पा., नारायण भगत, कु.रेखा बोरकर, कैलाशसिंह चावड़े, गेंदलाल रहांगडाले, रवि रहांगडाले, लीनेश रहांगडाले, रवि पंधरे सरपंच अदासी, संजय टेंभुर्णीकर उपसरपंच अदासी, शाम लांजेवार ग्राम पंचायत सदस्य अदासी, खेमन फुंडे, राजेंद्र रहांगडाले, माधोराव पटले, संतोष पटेरीया, शीला खांडेकर, अनीता रहांगडाले, रोहीणी गौतम, यशोमती रहांगडाले, शैलु सोमवंशी, हेमलता सोमवंशी, आरती पवार, पिल्लेवार सर, डोनोडे मॅडम, खवड़े मॅडम, प्यारेलाल रहांगडाले, महेश कटरे, दिपक बावणे, संजय सुरसाऊत, शालीकराम बावनथड़े व बड़ी संख्या में ग्राम के नागरिकगण उपस्थित थे।

१२ वर्षों से प्रलंबित कटंगी मध्यम प्रकल्प नहर का मामला विधायक रहांगडाले के प्रयासों से सुलझा

१०० हेक्टर कृषि क्षेत्र को मिलेगा पानी

तिरोड़ा - गोरेगांव तहसील के अंतर्गत आने वाले कटंगी मध्यम प्रकल्प के अंतर्गत गणखैरा लघुदाई नहर का गत १२ वर्षों से प्रलंबित कार्य विधायक विजय रहांगडाले के प्रयासों से हल हुआ। जिससे अब क्षेत्र के १०० हेक्टर कृषि भूमि को सिंचाई के लिए पानी मिलने लगेगा। गौरतलब है कि कटंगी मध्यम प्रकल्प के अंतर्गत गणखैरा लघु नहर के लिए गट क्रमांक ३१ में से आराजी ४.४० हेक्टेयर जमीन किसानों से वर्ष २००३ में संपादित की गई थी। जिसमें से २८ किसानों द्वारा मुआवजा ले लिया गया था। किंतु ३ किसानों द्वारा मुआवजा न उठाए जाने के चलते गट क्रमांक ८०४/१ का क्षेत्र संपादन नहीं होने से बांधकाम कार्य पूर्ण होने पर भी किसानों द्वारा कांक्रीट व मिट्टी भरकर नहर को बंद किया गया था। जिससे किसानों को सिंचाई का लाभ नहीं मिल पा रहा था। इस संदर्भ में किसानों द्वारा सिंचाई की व्यवस्था उपलब्ध कराने की मांग की थी तथा उपरोक्त प्रकरण का हल नहीं निकल सका था। यह प्रकरण वर्ष २००९ से लंबित था। उपरोक्त प्रकरण के संदर्भ में किसानों द्वारा तिरोड़ा-गोरेगांव विधानसभा क्षेत्र के विधायक विजय रहांगडाले से मांग की। जिस पर २७ जुलाई २०२० को विधायक द्वारा जिलाधिकारी व संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ आयोजित सभा में उपरोक्त कार्य को हल करने के लिए निर्देश दिया था। किंतु पानी छोड़ने के लिए कुछ व्यक्तियों द्वारा बाधा निर्माण कर काम को रोका गया था। इस पर फिर से विधायक द्वारा जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक के निर्देश में उपरोक्त प्रकरण को लाकर मामले को हल करने का प्रयास कर गत १५ वर्षों से प्रलंबित कटंगी मध्यम प्रकल्प की दाई नहर का पानी छोड़ने के लिए बांधकाम के कार्यों की शुरुआत की गई। इस अवसर पर तिरोड़ा गोरेगांव विधानसभा क्षेत्र के विधायक विजय रहांगडाले भाजप युवा मोर्चा जिल्हाध्यक्ष ओम कटरे, भाजप जि.उपाध्यक्ष डॉ.लक्ष्मण भगत, दुर्गा ठाकरे, बैंक संचालक रेखलाल टेंभरे, आशिष बारेवार, पुष्पराज जनबंधु, ओबीसी आघाडी जि.उपाध्यक्ष बबलू बिसेन, सरपंच धाराबाई तुप्पट, उपसरपंच राजू मोहोबे, अनंता ठाकरे, मध्यम प्रकल्प कार्य.अभियंता अमृतराज पाटील, सहायक अभियंता सचिन मडकाम, शाखा अभियंता राजेश भैरम, राजेश रहांगडाले, मोहन दाणे, भुपेंद्र पारधी, खुनीलाल पारधी, किसान श्यामकुवर पारधी, रोशनलाल ठाकरे, चमनलाल पारधी, जीवेंद्र पारधी व पोलिस कर्मचारी उपस्थित थे।

संगठन शक्ति ही विजय की कुंजी - डॉ.दिनेश गेडाम

गोंदिया - बहुजन समाज पार्टी गोंदिया जिला द्वारा बसपा प्रदेश सचिव डा. दिनेश गेडाम एवं जिला जोन प्रभारी विलास राऊत के नेतृत्व में बसपा जिला सचिव तथा गोरेगांव-तिरोड़ा विधानसभा प्रभारी भीमराव साखरे, उपाध्यक्ष अशोक बावने इनकी प्रमुख उपस्थिति में जिला परिषद, पंचायत समिति गट निहाय घरोघरी बसपा अभियान का आज कुराड़ी जिला परिषद क्षेत्र से आरंभ किया गया। अभियान की शुरुवात दोपहर १ बजे कुराड़ी पंचायत समिति क्षेत्र तथा दोपहर ३ बजे पाथरी पंचायत समिति क्षेत्र से की गई। इस अवसर पर क्षेत्र के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन करते हुए डॉ. दिनेश गेडाम ने कहा कि संगठनात्मक शक्ति के बिना किसी भी संघर्ष में विजय हासिल नहीं किया जा सकती। इसलिए बहुजन महापुरुषों की पवित्र विचारधारा को कामयाब बनाने के लिए गांव-गांव में प्रत्येक घर-परिवार में बसपा की रीति-नीति, विचारधारा पहुंचाकर युवाओं को, महिलाओं को, बुजुर्गों को संगठन में जोड़ कर संगठन की ताकत बढ़ाना हम सभी का दायित्व है।

इस अवसर पर जिला प्रभारी विलास राऊत ने अपने सम्बोधन में कार्यकर्ताओं से संगठन विस्तार के साथ साथ निकट भविष्य में होने वाले जिला परिषद, पंचायत समिति चुनावों के लिए तैयारी को लेकर मार्गदर्शन किया। घरोघरी बसपा अभियान के शुभारंभ अवसर पर कुराड़ी क्षेत्र से बसपा के रामेश्वर लांजेवार, धम्मदीप कुंभारे, प्रतीक गनवीर, प्रभुदास नंदेश्वर, शैलेश साखरे, अरुण पांचे, युगलकिशोर बंसोड़, शामराव मड़ावी, बेनीराम राऊत, रमाकांत मरसकोल्हे, सारिपुत्र साखरे, शिवकुमार गायकवाड़, कोमल ऊके, प्रेमलाल वालदे, रवींद्र खडसे तथा पाथरी क्षेत्र से सतीश बड़ोले, दिनेश साखरे, प्रकाश टेम्भूर्णिकर, नितिन शहारे, जयेन्द्र फसारे, अमोल जनबन्धु, सन्देश कसारे, सुमेद साखरे, रितिक चन्द्रिकापुरे, धम्मदीप कोटांगले, मासूम राऊत, विशाल काठेवार, प्रवीण चन्द्रिकापुरे, अनुकेत टेम्भूर्णिकर, मोहित टेम्भूर्णिकर इत्यादि प्रमुख रुप से उपस्थित थे।

बोनस की रकम और रबी धान की बकाया राशी का तत्काल भुगतान करें महाराष्ट्र सरकार - संजय टेंभरे

गोंदिया - भारत यह कृषि प्रधान देश माना जाता है। भारत में अत्याधिक लोग खेती पर निर्भर हैं। खेती कर अपना पेट पालन करते है। गोंदिया जिले को पूरे भारत में चांवल नगरी के नाम से जाना जाता हैं। कोरोना महामारी के वजह से इस वर्ष किसानों को काफी नुकसान सहन करना पडा है। महाराष्ट्र सरकार द्वारा किसानों को ७०० रुपए प्रति क्विंटल बोनस देने का आश्वासन दिया था। परंतु किसानों के साथ इस महाविनाश आघाड़ी ने किसानों के साथ अन्याय किया है। किसानों की अंतरआत्मा को ठेस पहुंचाया है। किसानों के साथ खिलवाड़ किया है। ऐसा किसानों के हितैषी किसान नेता भाजपा किसान आघाड़ी के जिल्हाध्यक्ष संजय टेंभरे ने महाविनाश आघाड़ी से सवाल किया है।

उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि आखिर कब किसानों का हमदर्द बनेगी, कब किसानों का दर्द समझेगी ऐसा सवाल किया है। बरसात के दिनो की शुरुवात हो चुकी है। किसानों ने खरीफ की रोपाई करना शुरु कर दिया है। किसानों के पास कीटनाशक और आवश्यक दवाइयों के लिए पैसे की काफी दिक्कत निर्माण हो रही है। जिसके लिए उन्हे धनासेठ के आगे हाथ फैलाना पड़ रहा है। किसानों ने दिन रात मेहनत कर धान की फसल को बेचा। मगर अभी तक उनके खाते में बोनस की राशि और रबी फसल की बकाया राशी का भुगतान नहीं किया गया। कोरोना के वजह से आर्थिक स्थिति कमजोर हो चुकी है और एक ओर किसानों के साथ महाविनाश आघाड़ी ने खिलवाड़ किया है। ऐसी प्रतिक्रिया भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष संजय टेंभरे ने कहा है। दु:ख जताते हुए कहा कि मेरे इन किसान भाईयों के साथ हो रहे अन्याय का मुझे काफी खेद है। यदि शीघ्र ही किसानों के खाते में रकम जमा नही हुई तो किसान भाईयों के हित में तीव्र आंदोलन करने की चेतावनी भी जिला अध्यक्ष संजय टेंभरे ने दी है ।

सड़क अर्जुनी तहसील में राष्ट्रवादी कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं की समीक्षा सभा संपन्न

सड़क अर्जुनी - तहसील के कोहमारा में पक्ष पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं की तहसील समीक्षा सभा आयोजित की गयी। इस बैठक में पूर्व विधायक राजेंद्र जैन, विधायक मनोहर चंद्रिकापुरे, जिलाध्यक्ष विजय शिवणकर के प्रमुख उपस्थिती में संपन्न हुयी। इस अवसर पर जिला परिषद क्षेत्र निहाय कार्यकर्ताओं व पदाधिकारीओं से अहम मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान कार्यकर्ता को जिला परिषद पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी दी गयी। प्रमुख मान्यवर अतिथिओं ने कहा कि, सांसद प्रफुल पटेल द्वारा कोविड संक्रमण के काल में और किसानों के हितों की रक्षा करने में किये गये कामों का प्रसार प्रचार करे। संगठन मजबूत बनाने के लिये पक्ष कि विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाने का कार्य करें एवं बूथ कमेटी का गठन कर जिला परिषद व पंचायत समिती चुनाव में ज्यादा से ज्यादा उम्मीद्वार चुनकर लाने की जिम्मेदारी सभी ने लेनी चाहिये।

इस अवसर पर पूर्व विधायक राजेंद्र जैन, विधायक मनोहर चंद्रिकापुरे, जिल्हाध्यक्ष विजय शिवणकर, विशाल शेंडे, प्रभाकर दोनोडे, रमेश चुरहे, डॉ. अविनाश काशिवर, डी.यु. रहांगडाले, छाया चौहान, रजनी गिरहेपुंजे, मंजू डोंगरवार, देवचंद तरोने, दिनेश कोरे, शुभांगी वाळवे, ओमप्रकाश टेम्भूर्णे, कृष्णा कोरे, आशिष येरणे, मिलन राऊत, भूमेश्वर शिवणकर, इकबाल शेख, एफ.आर.टी.शाह, प्रमोद लांजेवार, आनंदराव इडपाते, मधुकर हर्षे, रामरतन डोंगरवार, एम.जे. देशपांडे, शामराव वासनिक, देवाजी बनकर, ओमराज दखने, उमराव मांढरे, मोहनकुमार शर्मा, किशोर बन्सोड, ज्ञानीराम कापगते, लीलेश्वर रहांगडाले, राहुल यावलकर, सुखराम लांजेवार, शिवाजी गहाणे, उज्वल चौधरी, भैयालाल पुसतोडे, फारुख शेख, कमलेश वालदे, मार्कंड मेंढे, सुरेश सूर्यवंशी, भीमराव वाघमारे, सुभाष कापगते, नंदकिशोर गहाणे, प्रशांत बघेले, अकिब शेख, रमेश उपरीकर, मुकेश अग्रवाल, उदय कावळे, राजकुमार डोंगरवार, हेमराज खोटेले, अमोल राऊत, नरेश चव्हाण, कृष्णा दलाल, ताराचंद भोयर, अर्जुन गहाणे, मतीन शेख, मिलिंद चौहान, रमेश गहाणे, सुखदेव कोरे, ओमराज दखने, आस्तिक परशुरामकर, शिलास मेश्राम, माणिक कोरे, सचिन लोहिया, वंदना डोंगरवार, पुष्पमाला बडोले, संयम शेख, अफरोज शेख, संगीता ब्राम्हणकर, इंदू परशुरामकर, ईश्वर कोरे, वंदना डोये, यादोराव कापगते, अशोक गिरी, नाजुकलाल झिंगरे, अमनराज छवारे सहित पक्ष के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता व नागरिक उपस्थित थे।

अर्जुनी मोरगांव तहसील ग्रापं सरपंच सेवा संघ गठित

इंजि.हेमपुष्ण संग्रामे अध्यक्ष व अशोक कापगते बने सचिव

संतोष रोकड़े - अर्जुनी मोरगांव ग्राम पंचायत सेवा संघ का गठन पंचायत समिति भवन अर्जुनी मोरगांव में आयोजित तहसील के सभी ७० ग्राम पंचायत के सरपंच व उपसरपंच की उपस्थिति में किया गया। आयोजित सभा के अध्यक्ष स्थान पर ग्राम पंचायत सेवा सरपंच संघ के अध्यक्ष तथा सिरेगांवबांध ग्राम पंचायत के सरपंच इंजीनियरिंग हेमपुष्ण संग्रामे की अध्यक्षता में आयोजित की गई। आगामी कार्यकाल के लिए सर्वसम्मति से पुन: अध्यक्ष पद पर हेमपुष्ण संग्रामे तथा महासचिव पद पर महालगांव ग्राम पंचायत के सरपंच अशोक कापगते का चयन किया गया। उपाध्यक्ष पद पर कानोली ग्राम पंचायत के सरपंच संजय खरवडे, खांबी ग्राम पंचायत के सरपंच प्रकाश शिवनकर, महागांव ग्राम पंचायत सरपंच प्रभाकर कोवे, सावरटोला ग्राम पंचायत सरपंच युवराज तरोने तथा महासचिव पद पर खामखुरा ग्राम पंचायत सरपंच डॉ. अजय अंबादे, प्रतापगढ़ ग्राम पंचायत सरपंच भोजराम लोगडे तथा कोषाध्यक्ष के पद पर देवलगांव ग्राम पंचायत के उपसरपंच इंजीनियर होमराज पुस्तोडे, तथा प्रचार प्रमुख के रुप में माहूरकूड़ा ग्राम पंचायत के सरपंच लक्ष्मीकांत नाकाडे, जानवा ग्राम पंचायत के सरपंच किशोर ब्राम्हणकर तथा प्रमुख मार्गदर्शक के रुप में नवेगावबांध ग्राम पंचायत के उपसरपंच रघुनाथ लांजेवर, कार्यकारिणी सदस्य के रुप में केशोरी ग्राम पंचायत के सरपंच नंदू गहाने, कोरंबीटोला ग्राम पंचायत उपसरपंच भगवान नाकाडे, पवनी ढाबे ग्राम पंचायत सरपंच पपीता नंदेश्वर, येगांव ग्राम पंचायत सरपंच अनिल पालीवाल, नीमगांव ग्राम पंचायत सरपंच विश्वनाथ बळबुद्धे, अरुण नगर ग्राम पंचायत सरपंच बाबूल मलिक, सोमलपुर ग्राम पंचायत सरपंच नीलेश्वर खूणे ,ढाबे टेकड़ी ग्राम पंचायत सरपंच दीपक सोनवाने, खांबी ग्राम पंचायत उपसरपंच विलास फुंडे, एरंडी ग्राम पंचायत उपसरपंच सोनिया वाढई, रामपुरी ग्राम पंचायत सरपंच सुजाता गुंडेवार, सिरौली ग्राम पंचायत उपसरपंच सुनीता मस्के का चयन किया गया। सभा का संचालन व आभार प्रदर्शन डॉ. अजय अंबादे ने किया। इस अवसर पर नवनियुक्त कार्यकारिणी के सरपंच सेवा संघ को मजबूत करने व तहसील के प्रत्येक गांव को विकास के विकास के प्रभाव में किस प्रकार लाया जा सकता है, इसके लिए सदैव प्रयत्न किया जाएगा ऐसा संबोधन करते हुए आश्वासन दिया।

गुरु घासीदास बाबा के नवनिर्मित मंदिर का शुभारंभ

गोंदिया शहर के सतनामी नगर, यादव चौक सरकारी तालाब के पास परम पूज्य गुरु घासीदासजी बाबा के मंदिर का नवनिर्माण किया गया। जिसका शुभारंभ गुरु पूर्णिमा के अवसर पर शिवसेना समन्वयक पंकज यादव, पार्षद लोकेश यादव व पंडित दयालुदास बाबा द्वारा विधिविधान से पूजन अर्चन कर, ज्योत जलाकर किया गया। इस अवसर पर सतनामी समाज समिति द्वारा शाल, श्रीफल व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। आयोजित कार्यक्रम में समाज के प्रमुख कार्यकर्ता राजू जोगी, मानसिंग कुर्रे, अशोक बरमतार, बहुरदास बंजारे, सागर जोगी, माही बंजारे, दद्दू जोगी, राजेश बरमतार, भरत जोशी, शंकर टण्डन, दुर्गेश लहरे, दुर्गेश टण्डन, सुरेंद्र कोसरे और समस्त सतनामी समाज समिति उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

ना जाये जंगल : वनविभाग की चेतावनी

गोंदिया – हाल ही में २१ जुलाई को कक्ष क्र. ४४८, सरंक्षित वन गोरेगांव वनक्षेत्र परिसर में रेलवे रुट के पास हुई पुनाजी मोहन मेश्राम की वन्यजीव के हमले में मौत पर अब तक किस वन्यजीव द्वारा हमला हुआ इसकी पुष्टि वनविभाग द्वारा नहीं हुई है। वनविभाग द्वारा प्रथमत: की गई जांच कार्रवाई में किसी हिंसक वन्यजीव के हमले में मौत होना सामने आया है। बहरहाल वनविभाग कैमरा ट्रैपिंग के साथ ही मृतक के शव के नमूने जांच हेतु फोरेंसिक लैब भेजे जाने की बात सामने आयी है। वनविभाग ने मनुष्य पर हुए वन्यजीव के हमले के बाद आज एक प्रेस नोट जारी कर मनुष्य व पशु हानि रोकने हेतु जंगल परिसर से लगे भड़ंगा, पिंडकेपार, कटंगी, मुंडिपार, गर्रा, जानाटोला, सोडलागोंदी, जांभुलपानी, गोरेगांव, मुरदोली एवं अन्य परिसर के लोगों से आव्हान किया है कि वे इस दौरान अकेले या दुकेले जंगल में जाने से बचे। वनविभाग ने कहा, इस समय जंगल में वन्यजीव का खतरा निर्माण है। क्षेत्र में बाघ, तेंदुआ, भालू एवं अन्य वन्यजीव की आहट देखी गई है। जंगल क्षेत्र में अगर किसी भी प्रकार की पशु व जनहानि होती है तो तत्काल गोरेगांव वनपरिक्षेत्र विभाग को सूचित करें।

दुपहिया की टक्कर में जख्मी महिला की उपचार के दौरान मौत

गोंदिया शहर पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले लोहा लाईन में १९ जून के ७.०० बजे के दौरान अज्ञात मोटरसाइकिल चालक द्वारा लापरवाही पूर्ण तरीके से चलाते हुए कचरा बीनने वाली महिला कुसुम कन्हैयालाल सोनवाने (६५) को जोरदार टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में महिला गंभीर जख्मी हो गई। जिसे उपचार के लिए शासकीय जिला चिकित्सालय में दाखिल कराया गया था। लेकिन उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई। उपरोक्त प्रकरण में चिकित्सा अहवाल व जांच के आधार पर गोंदिया शहर पुलिस थाने में धारा ३०४, ३३८, २७९ आरडब्ल्यू १८४, १३४ मोटर वाहन कानून के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच पोहवा मिताराम गणवीर द्वारा की जा रही है।

फांसी लगाकर की आत्महत्या

गोरेगांव पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम पाथरी निवासी अशोक यादवराव नाईक (२६) द्वारा अपने घर में २४ जुलाई की शाम ५.०० बजे के दौरान छत की पाटन पर रस्सी बांधकर फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उपरोक्त मामले की जानकारी ग्राम निवासी आशीष गावर ने फरियादी को बताई। जिस पर फरियादी राजकुमार यादवराव नाईक (३९) की मौखिक शिकायत पर गोरेगांव पुलिस थाने में आकस्मिक मौत धारा १७४ के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच पोहवा औरासे द्वारा की जा रही है।

गाली गलौज करने पर सामूहिक पिटाई, एक की मौत

रावणवाडी पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम बनाथर निवासी कैलाश भजनदास मोरध्वज द्वारा शराब के नशे में ग्रामवासियों को गाली गलौज किए जाने पर उसकी सामूहिक पिटाई किए जाने से उसकी मौत हो गई।

गौरतलब है कि रावणवाड़ी पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम बनाथर निवासी मृतक कैलाश भजनदास मोरध्वज (४०) २४ जुलाई की दोपहर ३ बजे से २५ जुलाई की रात १.३० बजे तक शराब के नशे में धुत होकर मोहल्ले के नागरिकों को अश्लील गाली गलौज कर रहा था। जिसके चलते आरोपियों द्वारा अनाधिकृत रुप से मंडली बनाकर फरियादी के घर में घुसकर उसके पुत्र कैलाश की सामूहिक रुप से लात, बुक्को व लाठी से पिटाई कर हत्या कर दी। साथ ही फरियादी के पैर पर भी लाठी से हमला कर जख्मी कर दिया। उपरोक्त प्रकरण में मृतक के पिता फरियादी भजनदास सूरजलाल मोरध्वज (७१) की मौखिक शिकायत के आधार पर रावणवाड़ी पुलिस थाने में आरोपियों के खिलाफ भादवि की धारा ३०२, ४५०, ३२३, ३२४, १४१, १४३, १४७, १४९ के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच सपोनी बाबासाहेब सरवदे द्वारा की जा रही है।

जहर गटकर की आत्महत्या

डुग्गीपार पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम वडेगांव तहसील सड़क अर्जुनी निवासी संजय अमृत मेन्डे (२८) द्वारा २० जुलाई को विषैले पदार्थ का सेवन कर लिया। जिससे उसकी स्थिति गंभीर होने पर आगे के उपचार के लिए गोंदिया के जिला चिकित्सालय में दाखिल कराया गया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। उपरोक्त मामले में डॉक्टरी मेमो व मपोशि ममता ऊईके की शिकायत के आधार पर डुग्गीपार पुलिस थाने में आकस्मिक मौत धारा १७४ के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच पोहवा सादेकर द्वारा की जा रही है।

सड़क के गड्ढे से वाहन दुर्घटनाग्रस्त एक की मौत

रामनगर पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले गोंदिया-तिरोड़ा मार्ग पर साई बाबा राईस मिल के समीप मार्ग के गड्ढे से दुपहिया वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से साई कॉलोनी कुड़वा निवासी हेमंत रेवाशंकर भगत (४०) की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार २६ जुलाई को गोंदिया से तिरोड़ा की ओर जाते समय साईबाबा राईस मिल के सामने तिरोड़ा मार्ग के गड्ढे में जख्मी अवस्था में दिखाई दिए जाने पर मार्ग से जाने वाले नागरिकों द्वारा उसे उपचार के लिए शासकीय जिला चिकित्सालय में दाखिल कराया गया। जहां चिकित्सक द्वारा जांच किए जाने के पश्चात उसे मृत घोषित किया गया। चिकित्सा अहवाल के आधार पर रामनगर पुलिस थाने में धारा १७४ के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच पोहवा सुरेश मेश्राम द्वारा की जा रही है।

गर्भ को बचाते हुए पेट से निकाला कैंसर का गोला

डॉ. नोव्हील ब्राम्हणकर ने की गयी सफल शल्यक्रिया

गोंदिया शहर के सिविल लाईन, मामा चौक स्थित ब्राम्हणकर हॉस्पिटल के संचालक डॉ.नोव्हील ब्राम्हणकर द्वारा गत १ वर्ष में अनेक जटिल शल्यक्रिया कर मरीजों को जीवनदान दिया गया है। इसी प्रकार की और एक सफल शल्यक्रिया कर गर्भवती महिला के पेट से कैंसर पेनक्रियाज का गोला निकालकर गर्भ में ३ माह के बच्चा व माता की जान बचाई।

गौरतलब है कि एक समय में गोंदिया में गंभीर व जटिल ऑपरेशन नहीं हो पाते थे। जिसके लिए मरीजों को नागपुर या अन्य बड़े शहरों में जाना पड़ता था। लेकिन अब गोंदिया शहर के सिविल लाईन, मामा चौक स्थित ब्राम्हणकर हॉस्पिटल के संचालक डॉ. नोव्हील ब्राम्हणकर द्वारा गोंदिया शहर में ही जटिल व गंभीर शल्यक्रिया कर मरीजों की जान बचाई जा रही है। इसी प्रकार का एक मामला तिरोड़ा तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम गराड़ा निवासी २४ वर्षीय महिला रसीला दिनेश मेश्राम के पेट में गत १ वर्ष से कैंसर पेनक्रियाज का गोला बन चुका था। लेकिन इसकी जानकारी उसे नहीं थी। इस दौरान वह गर्भवती हो गई। जब सोनोग्राफी जांच की गई तो गर्भ के साथ गोला दिखाई दिया। जिसके पश्चात डॉ. ब्राम्हणकर द्वारा जांच की गई तथा आगे के उपचार के लिए नागपुर जाने पर शल्यक्रिया का खर्च अधिक बताया गया। वहां के चिकित्सकों द्वारा जानकारी दी गई कि गर्भ गिराने के पश्चात ही शल्यक्रिया की जा सकती है। लेकिन परिवार इसके लिए तैयार नहीं था। जिसके पश्चात फिर से पीड़ित महिला को लेकर परिवार डॉ. ब्राम्हणकर के पास पहुंच कर शल्यक्रिया करने की सहमति प्रदान की, व किसी भी स्थिति के लिए तैयार था। साथ ही शल्यक्रिया में लगने वाले खर्च की परेशानी भी डॉक्टर द्वारा दूर कर महिला की शल्यक्रिया महात्मा ज्योतिबा फुले जन आरोग्य योजना के अंतर्गत की। उपरोक्त शल्यक्रिया करीब ५ घंटे तक के चली। जिसमें १० बाय १२ सेंटीमीटर का गोला निकाला गया। शल्यक्रिया में डॉक्टर को सफलता मिली व गर्भ को बचाते हुए पेनक्रियाज के गोले को बाहर निकाला गया। वर्तमान स्थिति में गर्भवती महिला व गर्भ में पलने वाला शिशु सुरक्षित है।

उपरोक्त शल्यक्रिया के दौरान डॉ. ब्राम्हणकर का सहयोग महिला रोग विशेषज्ञ डॉ.धवल सावंत, एनेस्थीसिया डॉ. कुणाल बोरकर, सहायक लोकेश नागपुरे व लोकेश बांते द्वारा दिया गया।

बच्चे के साथ बचाई मेरी भी जान

पेट में गर्भ के साथ कैंसर के गोले की जानकारी होने पर काफी चिंतित हो गए थे। किंतु डॉ. ब्राम्हणकर द्वारा सफलतापूर्वक ऑपरेशन करने के साथ ही आर्थिक समस्या को देखते हुए महात्मा ज्योतिबा फुले योजना के अंतर्गत ऑपरेशन किया। जिससे आज स्वस्थ लगने के साथ ही दर्द भी कम हो गया है।

– रसीला मेश्राम, महिला मरीज

सफलता का प्रयास

महिला की स्थिति को देखते हुए पूरी सफलता का प्रयास कर शल्यक्रिया की गई। साथ ही गोंदिया जिले में इस प्रकार की गंभीर बीमारी व अन्य बीमारियों का उपचार शासकीय योजनाएं प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना व महात्मा ज्योतिबा फुले योजना के अंतर्गत की जा रही है। जिससे आर्थिक रुप से कमजोर मरीजों को राहत मिल रही है।

– डॉ.नोव्हील ब्राम्हणकर
संचालक ब्राम्हणकर हॉस्पिटल, गोंदिया

काल के गाल में समा रही बच्ची को दिया जीवनदान

मेडिकल कॉलेज के बालरोग विशेषज्ञ डॉ. सुनील देशमुख का कमाल

गोंदिया – सांसे उखड़ रही, रोग क्या है इसका परिजनों को कोई आभास न होते हुए मरणासन्न अवस्था में गोंदिया के बीजीडब्ल्यू शासकीय अस्पताल लायी गई एक १० साल की बच्ची को आनन-फानन में वेंटिलेटर में रखकर अंतिम सांस के साथ उपचार शुरु कर उसे नया जीवनदान देने का कार्य बालरोग विशेषज्ञ डॉ. सुनील बालकृष्ण देशमुख ने किया है। आज बच्ची को मिले इस जीवनदान पर डॉक्टर व टीम की प्रशंसा की जा रही है।

गौरतलब है कि १७ जुलाई को जिले के जंगल क्षेत्र मुरदोली तहसील गोरेगांव से एक १० वर्षीय बच्ची काजल राकेश लोनबले को मरणासन्न अवस्था में बाई गंगाबाई शासकीय महिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बच्ची की सांसे थम सी गई थी। इस दौरान बालरोग विशेषज्ञ व शासकीय मेडिकल कॉलेज के सहायक प्राध्यापक डॉ. सुनील बालकृष्ण देशमुख ने आनन फानन में बच्ची की गंभीर स्थिति को देख उसे अंतिम सांस देने वेंटिलेटर पर रख प्राथमिक तौर पर इलाज शुरु किया। परिजनों को पता नहीं था कि बालिका को क्या हुआ है। जिसके कारण उसकी स्थिति इतनी गंभीर हुई। ऐसे स्थिति में प्राथमिक तौर पर इलाज शुरु रख उसे अंतिम सांस हेतु वेंटिलेटर पर रख, वजह को भांपते हुए कम समय में सर्पदंश पर इलाज शुरु किया गया। १८ घंटे उस बालिका को वेंटिलेटर पर रखा गया, बालिका ने उस संकट को झेलते हुए जिंदगी की जंग जीती। जिसके बाद उसे वेंटिलेटर से निकालकर ५ दिन तक उपचार दिया गया। आज बच्ची ५ दिन बाद ठीक होकर उसकी छुट्टी कर दी गई। माता-पिता ने बच्ची को मिले इस जीवनदान पर खुशी जाहिर कर डॉक्टर व टीम के प्रति हर्ष व्यक्त किया। शासकीय मेडिकल कॉलेज गोंदिया में जब से स्नातकोत्तर शिक्षा प्रारंभ हुई है, तब से रोगियों को बेहतर इलाज के साधन प्राप्त हो रहे है। बालरोग विभाग में वेंटिलेटर की सुविधा होने से इसका लाभ गोर-गरीबो को भी प्राप्त हो रहा है। बच्ची को बचाने सहयोग करने में डॉ. सुनील देशमुख, बालरोग वार्ड के स्नातकोत्तर छात्र डॉ. सचिन, डॉ.सतीश, डॉ.राहुल, डॉ.दिनेश व नर्सिंग स्टाफ का समावेश रहा।

नगर विकास विभाग के वैशिष्ट पूर्ण विशेष अनुदान के तहत ४१ कार्यो को मिली शासन की हरी इंडी

५ करोड़ रु. निधी से होंगे कार्य । जनता के विधायक ने निभाया वचनपुर्ती

गोंदिया – पिछले डेढ़ वर्षों के विधायकी कार्यकाल में विकास कार्यों की झड़ लगा चुके जनता के विधायक विनोद अग्रवाल ने अपने कार्य करने की शैली से जनता के दिलों में अमिट छाप छोड़ी है। जो वचनपुर्ती एवं प्रतिबद्धता उन्होंने दिखाई थी, आज वो पूरी होती दिखाई दे रही है।

विधायक विनोद अग्रवाल ने राज्य के नगरविकास विभाग से वैशिष्ट पूर्ण कार्य के तहत गोंदिया शहर में ५ करोड़ रुपयों के विविध विकास कार्य हेतु विशेष निधि मंजूर करायी है। नगर विकास विभाग ने ४ करोड़ ९० लाख के ४१ विकास कार्यों को मंजूरी दी है, जिससे अब इन कार्यों का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इन कार्यों में समाज भवन, रोड-रास्ते व विभिन्न बांधकामों का

निर्माण कार्य किया जाएगा।

विधायक विनोद अग्रवाल द्वारा इसके पूर्व शहर के विकास हेतु अनेक विकास कार्य शुरु किए गए है। शहर की महत्वाकांक्षी भूमिगत गटर योजना, भूमिगत विद्युतीकरण योजना को शुरु कराने का प्रयास किया गया है। शहर के आधुनिक विकास हेतु केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी से पत्रव्यवहार कर शहर से जुड़ने वाले मार्ग, महामार्ग, बायपास मार्ग आदि के लिए निधि मंजूर कराने में भी सफलता प्राप्त कर शहर को विकसित शहर बनाने का प्रयास किया है। गोंदिया शहर के बढ़ते यातायात को देखते शहर के दो रेलवे क्रॉसिंग बालाघाट-गोंदिया (मरारटोली) एवं गोंदिया-रायपुर रेलमार्ग पर हड्डीटोली क्रॉसिंग पर रेलवे ओवरब्रिज के कार्य मंजूर हुए है। जिनके कार्य जल्द प्रारंभ होकर यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने में सफल होंगे।

शहर के आधुनिकीकरण हेतु विधायक विनोद अग्रवाल सतत् प्रयासरत है। विकास के साथ-साथ शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार के संसाधन हेतु लघु उद्योग खड़े करने का भी उनका संकल्प है।

गोंदिया विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए सदैव प्रयत्नशील - पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल

कासा-ढिमरटोली-बिरसोला मार्ग के डामरीकरण कार्य का लोकार्पण

गोंदिया तहसील के अंतर्गत आने वाले कासा-ढीमरटोली-बिरसोला मार्ग के डामरीकरण बांधकाम का लोकार्पण पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल के हस्ते संपन्न हुआ। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गोंदिया विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए वे सदैव प्रयत्नशील है। आगे उन्होंने कहा कि १९ दिसंबर २०१९ को तत्कालीन जिला परिषद अध्यक्ष सीमा मडावी की अध्यक्षता में जिप की सर्वसाधारण सभा में तत्कालीन विधायक अग्रवाल द्वारा विधानसभा क्षेत्र में ३०५४-५०५४ योजना वर्ष २०१९-२० के अंतर्गत प्रस्तावित २६२ लाख रुपए की लागत के ११ सड़क डामरीकरण कार्यों को मंजूरी प्राप्त हुई थी। उक्त ११ सड़कों में २४ लाख रुपए की लागत से डामरीकरण का कार्य किया गया है।

कार्यक्रम के दौरान तहसील भाजपा अध्यक्ष ठाकरे महिला मोर्चा अध्यक्ष माधुरी हरिनखेडे, कासा की सरपंच कृष्णी सतीश मरठे, बिरसोला की सरपंच सरोजिनी ददरे प्रमुख रुप से उपस्थिति थी। साथ ही पूर्व पंचायत समिति सदस्य लोकचंद ददरे ने कहा कि पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल का कासा बिरसोला के मरार बहुल क्षेत्र पर विशेष प्रेम है। कांटी-भदयाटोला के बीच जामुननाला, कचरानाला पर पुलों का निर्माण वही कासा से सीधा बिरसोला के बीच नए रास्ते एवं पुलों का निर्माण कराकर गोपालदास अग्रवाल ने क्षेत्र के यातायात को सरल बना दिया है। कुछ वर्ष तक काटी से कासा से आने जाने के लिए कच्चा रास्ता हुआ करता था जिसे भी पक्का बनवा दिया गया है। आज रास्तों के निर्माण से क्षेत्र के विकास को नई गति मिली है तथा क्षेत्र में सैकड़ों विकास कार्य विधायक अग्रवाल के कार्यकाल में हुए। किंतु आज असक्षम जनप्रतिनिधि के चुनाव से क्षेत्र के विकास को जंग लग गई है और गोंदिया विधानसभा क्षेत्र में जो विकास के मामले में राज्य में अग्रणी था अब पीछे जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान पूर्व जिप सदस्य देवेंद्र मानकर, अर्जुन नागपुरे, लोकचंद ददरे, सरोजिनी ददरे, डॉ.देवा जमरे, कत्तेलाल मात्रे, कृष्णी मरठे, मोहपत खरे, प्रकाश जमरे, राजेश जमरे, देवचंद नागपुरे आदि उपस्थित थे।

लावारिस कुत्तों, सूअरों व मवेशियों को करें शहर से बाहर

मुख्याधिकारी को पार्षद लोकेश यादव ने निवेदन देकर की मांग

गोंदिया शहर में गत कुछ दिनों से लावारिस कुत्तों, सुअरों व मवेशियों का आतंक काफी बढ़ चुका है। जिस पर लगाम लगाकर उन्हें पकड़कर शहर से बाहर करने की मांग का निवेदन मुख्याधिकारी को पार्षद लोकेश यादव द्वारा देकर की है।

गौरतलब है कि गोंदिया शहर में हमेशा ही लावारिस मवेशियों का मार्गों पर आतंक बना रहता है। जिससे गंभीर दुर्घटनाएं भी घटित होती रहती है। गत कुछ दिनों से शहर में फिर से लावारिस कुत्तों, सूअरों का आतंक काफी बढ़ चुका है। सूअरों की बढ़ती जनसंख्या के कारण शहर की सफाई व्यवस्था होने के बावजूद फिर से गंदगी फैल जाती है। साथ ही लावारिस कुत्तों की संख्या में बढ़ोतरी होने के चलते वाहन चालको, पैदल चलने वालों के पीछे झुंड में कुत्तों के दौड़ने से वाहन चालक गंभीर दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। साथ ही छोटे बच्चों पर भी कुत्तों द्वारा हमला किया जाने लगा है। बड़ी संख्या में शहर में सूअर तथा कुत्तों के झुंड लावारिस अवस्था में घूमते हैं। जिससे एक भय का माहौल बना रहता है। इसके अलावा बारिश शुरु होते ही मवेशी पालकों द्वारा अपने मवेशियों को खुला छोड़ दिया जाता है। साथ ही लावारिस मवेशियों के झुंड भी शहर के मार्गों पर झुंड बनाकर तथा उनके द्वारा गंदगी फैलाई जाने पर आने जाने वाले नागरिकों को मुश्किलों का सामना करने के साथ ही मार्गों से वाहन फिसल जाते हैं। इस गंभीर समस्या को देखते हुए पार्षद लोकेश (कल्लू) यादव द्वारा नगर परिषद मुख्याधिकारी करण चौहान को निवेदन देकर जल्द से जल्द शहर में घूमने वाले इन लावारिस मवेशियों को पकड़कर शहर से बाहर करने की मांग की है। इस अवसर पर अभय अग्रवाल, महेंद्र गढ़े, शाहरुख पठान, संजीव राय उपस्थित थे।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित। संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है ऐसा नहीं है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया।